भगवान् बुद्ध की जीवन गाथा | By Nikunj Prem

बुद्धम शरणम् गच्छामि
धर्मम शरणम् गच्छामि

आओ सुनाऊँ सबको सुन्दर ये कहानी
सुनो लगा के ध्यान है ये बात पुरानी
बुद्धम शरणम् गच्छामि
धर्मम शरणम् गच्छामि

नेपाल में एक स्थान लुम्बिनी है जिसका नाम
महामाया के आँगन जन्मे बुद्ध भगवान्
उनके पिता सुदोधन का राजसी था ठाठ
लेकिन सिद्धार्थ पढ़ रहे जीवन का दूजा पाठ
सिद्धार्थ थे विलक्षण अलग थी उनमे बात
अलग थी उनमे बात.....
आओ सुनाऊँ सबको .....

होलिया वंश की थी एक राजकुमारी
यशोधरा था नाम पिता की थी दुलारी
सोलह वर्ष में हुआ सिद्धार्थ का विवाह
विवाह बाद पुत्र राहुल ने जनम लिया
सब कुछ था अच्छा चल रहा फिर घटना एक घटी
फिर घटना एक घटी.....
आओ सुनाऊँ सबको .....

सिद्धार्थ ने नगर भ्रमण की योजना रची
जीवन है क्या ये जानने की इच्छा थी उठी
एक वृद्ध और बीमार व्यक्ति देख मन दुखा
एक शव को देख मन में वैराग्य बह उठा
फिर छोड़ राजपाठ वो घर से निकल पड़े
घर से निकल पड़े.....
आओ सुनाऊँ सबको .....

घर छोड़ के वो बौद्ध गया स्थान पे आये
वहां बोधि वृक्ष के नीचे ज्ञान को पाए
स्थापना कर बौद्ध धर्म मोक्ष मिल गया
सत्य अहिंसा धर्म का फिर पुष्प खिल गया
सिद्धार्थ ने फिर गौतम बुद्ध रूप ले लिया
रूप ले लिया.....
आओ सुनाऊँ सबको .....

नौवा लिया अवतार और बुद्ध बन गए
ध्यान और एकाग्रता में वो तो रम गए
कुशीनगर में देह का त्याग कर दिया
जन जन में करुणा सत्य दया प्रेम भर दिया
पुनर्जन्म से छूट जाएँ युक्ति बताई
हाँ युक्ति बताई .....
आओ सुनाऊँ सबको .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ad%e0%a4%97%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%8d-%e0%a4%ac%e0%a5%81%e0%a4%a6%e0%a5%8d%e0%a4%a7-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%9c%e0%a5%80%e0%a4%b5%e0%a4%a8-%e0%a4%97%e0%a4%be%e0%a4%a5%e0%a4%be-by-n/